पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दिनांक: 25 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज पं0 दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के शताब्दी वर्ष पर दीनदयाल वाटिका जाकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन, पूर्व विधायक श्री सुरेश श्रीवास्तव, विधायक श्री गोपाल टण्डन व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर, कार्य पर, उनके विचारों पर विचार करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। पं0 दीनदयाल ने मात्र 52 वर्ष की आयु में जिस प्रकार भारतीय जनसंघ का नेतृत्व किया, वह अनुकरणीय भी है और स्मरणीय भी है। अपने व्यवहार और विचार के आधार पर उन्होंने जो संगठन बनाया एक दृष्टि से भारत के राजनैतिक लोगों को भी आश्चर्य में डालने वाली बात थी। उत्तर प्रदेश ने राजनैतिक विचार करने वाले दो महान व्यक्ति दिये। एक डॉ0 राम मनोहर लोहिया तथा दूसरे पं0 दीनदयाल उपाध्याय। दोनों ने भारत को नये विचार दिये। दोनों ही बड़ी सहजता से विचारों का आदान-प्रदान करते थे। उन्होंने कहा कि आज की राजनैतिक अस्पृश्यता और राजनैतिक कार्यपद्धति में डॉ0 राम मनोहर लोहिया तथा पं0 दीनदयाल उपाध्याय का अनुकरण करने की आवश्यकता है।

श्री नाईक ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का विचार उस समय दिया जब पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधारा देश पर हावी थी। उनके विचारों के पीछे हजारों साल पहले की भारतीय संस्कृति भी प्रकट होती थी। पं0 दीनदयाल ने बताया कि छोटी-छोटी बातों पर विचार करके और छोटे-छोटे काम करके समाज सेवा हो सकती है। उन्होंने कहा कि पं0 दीनदयाल ने आग्रह किया था कि चरित्र स्वच्छ होना चाहिए एवं विचार साफ होने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधान सभा के चुनाव कुछ समय बाद होने वाले हैं। संविधान द्वारा 18 वर्ष आयु के सभी व्यक्तियों को मतदान का अधिकार प्राप्त है। अतः मतदाता सूची में अपना नामांकन करवाकर लोकतंत्र को मजबूत करने का काम करें। राज्यपाल ने पं0 दीनदयाल द्वारा केरल के अधिवेशन में दिये गये भाषण के कुछ अंश को पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम यह संकल्प लें कि पं0 दीनदयाल के अंत्योदय की विचारधारा को कैसे सफल बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (351/43)